RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

HISTORY

उत्तर भारत के राजवंश

Part -3

LIVE 11-03-2024 09:00 AM

⇒ पृथ्वीराज चौहान तृतीय :- (1178–1192 AD)

उपनाम :- रायपिथौरा

माता का नाम :- कपूर देवी

* तुमुल का युद्ध :- 1182 AD :- पृथ्वीराज तृतीय व परमार वंश के राजा परमर्दिदेव वर्मन के बीच
↳ विजयी

⇒ इस युद्ध में परमर्दिदेव के मुख्य सेनापति आल्हा व ऊदल मारे जाते है।

⇒ पृथ्वीराज तृतीय को हिन्दू गौरव का अन्तिम सूर्य कहा जाता है।

उपाधि :- दलपुंगल

⇒ तराइन का प्रथम युद्ध :- 1191 AD :- पृथ्वीराज चौहान III व मुहम्मद गौरी के बीच
↳ विजयी

⇒ तराइन का द्वितीय युद्ध :- 1192 AD :- पृथ्वीराज चौहान व मुहम्मद गौरी के बीच

⇒ विजयी

⇒ पृथ्वीराज III तराइन के युद्ध के समय नाट्यरम्भा नामक घोड़े पर सवार थे।

⇒ मुख्य सेनापति : खाण्डराव

बुन्देलखण्ड या जेजाकभुक्ति का चंदेल वंश :-

→ प्रतिहारों के सामंत थे

- ⇒ संस्थापक :- नन्नुक (831AD - 900AD) → मतभेद
- ⇒ राजधानी :- खजुराहो

उपाधि :- महिपति

⇒ यशोवर्मन :- (925 - 950 AD)

⇒ खजुराहो के विष्णु मंदिर का विस्तार करवाया।

⇒ धंगदेव :- (950 - 1002 AD) :- यशोवर्मन का पुत्र धंग चन्देल वंश का सबसे प्रतापी शासक था

⇒ प्रतिहारो से पुर्ण स्वतंत्रता दिलाने का श्रेय राजा धंगदेव को जाता है।

⇒ कालिंजर पर अधिकार कर अपनी राजधानी बनाया।

⇒ गण्डदेव (1002 - 1019) :-

⇒ विद्याधर :- (1019 - 1029)

⇒ 1019 AD में महमूद गज़नवी ने कन्नौज के प्रतिहार शासक राज्यपाल पर आक्रमण किया राजा राज्यपाल ने युद्ध किए बिना आत्मसमर्पण कर दिया, राजा विद्याधर ने प्रतिहार शासक राज्यपाल की हत्या कर दी।

⇒ कीर्तिवर्मन :- (1060 - 1100 AD)

⇒ महोबा के निकट कीरत सागर झील बनवाई थी।

⇒ मदनवर्मन :- (1100 - 1163 AD)

→ परमर्दिदेव वर्मन :- (1165 - 1204)